



HINDUSTAN

कौशल विश्वविद्यालय से युवाओं को हुनरमंद होने का अवसर मिलेगा



फरीदाबाद: कौशल विकास
योगाचरण शिक्षा, कौशल विकास, लक्ष्योन्मुखी शिक्षा के अंतर्गत युवाओं को हुनरमंद बनाने के लक्ष्य से राज्य सरकार ने शिक्षण संस्थानों का विकास बढ़ावा देना शुरू किया है। इसमें कौशल विश्वविद्यालय के योगाचरण शिक्षण संस्थान को बढ़ावा देने का प्रयास किया जा रहा है।



1 कौशल विश्वविद्यालय
युवाओं को हुनरमंद बनाने का प्रयास किया जा रहा है। इसमें कौशल विश्वविद्यालय के योगाचरण शिक्षण संस्थान को बढ़ावा देने का प्रयास किया जा रहा है। इसमें कौशल विश्वविद्यालय के योगाचरण शिक्षण संस्थान को बढ़ावा देने का प्रयास किया जा रहा है।

2 स्कूलों में कौशल विकास

युवाओं को हुनरमंद बनाने का प्रयास किया जा रहा है। इसमें कौशल विश्वविद्यालय के योगाचरण शिक्षण संस्थान को बढ़ावा देने का प्रयास किया जा रहा है। इसमें कौशल विश्वविद्यालय के योगाचरण शिक्षण संस्थान को बढ़ावा देने का प्रयास किया जा रहा है।

3 कम्प्यूटरी कोर्सेज में नए कोर्स

युवाओं को हुनरमंद बनाने का प्रयास किया जा रहा है। इसमें कौशल विश्वविद्यालय के योगाचरण शिक्षण संस्थान को बढ़ावा देने का प्रयास किया जा रहा है। इसमें कौशल विश्वविद्यालय के योगाचरण शिक्षण संस्थान को बढ़ावा देने का प्रयास किया जा रहा है।

युवाओं

1 युवाओं को हुनरमंद बनाने का प्रयास
युवाओं को हुनरमंद बनाने का प्रयास किया जा रहा है। इसमें कौशल विश्वविद्यालय के योगाचरण शिक्षण संस्थान को बढ़ावा देने का प्रयास किया जा रहा है। इसमें कौशल विश्वविद्यालय के योगाचरण शिक्षण संस्थान को बढ़ावा देने का प्रयास किया जा रहा है।

DAINIK BHASKAR

पहले गुड न्यूज

वाईएमसीए कम्युनिटी कालेज में 4 नए पाठ्यक्रम शुरू

फरीदाबाद | वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की ओर से कौशल विकास एवं स्वरोजगार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से संचालित कम्युनिटी कालेज प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के अंतर्गत चार नए पाठ्यक्रम शुरू किए जाएंगे। इसमें लेथ ऑपरेटर, एयर कंडीशनिंग (तकनीशियन), असिस्टेंट इलेक्ट्रीशियन व आईटी कोआर्डिनेटर पाठ्यक्रम शामिल हैं। इन कोर्सों को करने के बाद बेरोजगार युवाओं को रोजगार मिलेगा। कुलपति प्रो. दिनेश कुमार के अनुसार वर्षभर चलने वाले चारों पाठ्यक्रमों का पहला बैच 23 जनवरी से शुरू होगा। इसके लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि 10 जनवरी है। इन सभी सर्टिफिकेट पाठ्यक्रमों की न्यूनतम अवधि 250 से 400 घंटे यानि 3 से 4 महीने की होगी।